संगीत में वैज्ञानिक आविष्कारों का योगदान

डॉ. श्रुति होड़ा

वर्तमान युग विज्ञान का युग है। विज्ञान के आविष्कारों ने इस युग को बहुत प्रभावित किया है। प्रतिदिन कोई न कोई आविष्कार होता ही रहता है। फलस्वरूप विज्ञान के जीवन के हर क्षेत्र में महान उपलब्धियाँ हासिल की हैं भारतीय संगीत भी वैज्ञानिक प्रभाव से अछूता नहीं रहा है। अध्यात्मक से विज्ञान तक का सफल महत्वपूर्ण रहा है। आरम्भ से ही दोनों एक दूसरे के पूरक रहे हैं। जिसका परोक्ष–अपरोक्ष प्रभाव स्वतः दिखाई देता है। पिछले कुछ दशकों में संगीत के क्षेत्र में जिन नवीन तकनीकों का विकास हुआ है वह अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हुई है। डॉ. निशि जैन के अनुसार ''बीवसीं सदी के आरम्भ में विज्ञान व टैक्नॉलाजी के विकास क्रम में संगीत स्वरलिपि, ध्वनिमुद्रण व ध्वनि संग्रह के क्रांतिकारी शोध ने भविष्य की विस्मयकारी संभावनाओं की नीव डाली है और संगीत शिक्षा व संगीत प्रदर्शन के लिए नये मार्ग खोल दिये है।